भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 711
26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिकल सेल रक्ताल्पता रोग

711. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पलक्कड जिले के अट्टापडी सहित देश की जनजातीय बस्तियों में सिकल सेल रक्ताल्पता रोग के मामलों का पता चला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या जून, 2024 में ही उक्त बीमारी के कारण अट्टापडी में कई लोगों की जान गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार उक्त घातक बीमारी को रोकने के लिए अट्टापडी में चिकित्सा विशेषज्ञों का दल तैनात करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रक्त संबंधी रोग है, जो रोगी को जीवनभर प्रभावित करता है। यह भारत की आदिवासी आबादी में ज्यादा सामान्य है, लेकिन गैर-आदिवासियों में भी होता है। यह न केवल एनीमिया का कारण बनता है बल्कि असहनीय दर्द, वृद्धि को कम करता है और फेफड़े, हृदय, गुर्दे, आंखों, हड्डियों और मस्तिष्क जैसे कई अंगों को प्रभावित करता है। सिकल सेल एनीमिया रोग अट्टापडी घाटी में तीन जनजातीय समुदायों अर्थात इरुला, मुदुगा और कुरुम्बा में अधिक व्याप्त है।

सिकल सेल रोग को जड़ से खत्म करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन शुरू किया गया है। मिशन के उद्देश्यों में सभी सिकल सेल रोगग्रस्त रोगियों के लिए किफायती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण परिचर्या का प्रावधान, जागरूकता सृजन के माध्यम से सिकल सेल रोग की व्याप्तता में कमी, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावित 278 जिलों में 0-40 वर्ष के आयु वर्ग में वर्ष 2025-26 तक 7 करोड़ लोगों की लक्षित जांच और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के परस्पर सहयोगात्मक प्रयासों से परामर्श देना शामिल है।

स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उचित कार्रवाई के लिए जन्म और मृत्यु से संबंधित आंकड़ों का अनुरक्षण किया जाता है।

******